>

Title: Need to enhance the honorarium provided under the Panchayat Yuva Krida aur Khel Abhiyan Yojana in Uttar Pradesh.

डॉ. संजय सिंह (सुल्तानपुर): सभापति जी, उत्तर प्रदेश में भारत सरकार एवम् उत्तर प्रदेश की संयुक्त महत्वाकांक्षी योजना, पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान (पायका) योजना संचालित है। जिसके माध्यम से पंचायत स्तर पर ग्रामीण खिलाड़ियों को तैयार किया जाता है और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के प्रति रुचि पैदा की जा रही है। परन्तु इनका संचालन करने वालों को आज की महंगाई के समय में भी काफी कम मानदेय मिल रहा है। देश में 4600 की जनसंख्या के आधार पर पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान को संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के 90 प्रतिशत चयनित गांवों में यह योजना चल रही है। इस योजना में खेल के सामानों एवम् उपकरणों के रख-रखाव एवम् नए तथा अच्छे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने की जिम्मेदारी संविदा पर नियुक्त क्रीड़ाश्री की है। खेलों के प्रति रुझान बढ़ाकर खिलाड़ियों को प्रेरित करने की जिम्मेदारी भी क्रीड़ाश्री की है, परंतु आज की महंगाई में इन क्रीड़ाश्री को केवल 500 रुपए प्रतिमाह का मानदेय मिलता है। इस 500 रुपए में पंचायत क्रीड़ा एवं खेल योजना के अंतर्गत नियुक्त संविदा क्रीड़ाश्री तन्मयता के साथ कैसे काम कर सकते हैं।

मे आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त योजना में संविदा पर कार्यरत क्रीड़ाश्री का मानदेय बढ़ाकर 8000 रुपए प्रतिमाह किया जाए तथा इन्हें नियमित भी किया जाए, ताकि ये दिल लगाकर इस योजना को सफल बना सकें।